



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 27, 1985/श्रावण 5, 1907

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 27, 1985/SRAVANA 5, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड IV PART II—Section IV

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1985

का. नि. आ. 167 :— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के
परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेना इंजीनियर सेवा
(उपेष्ट बैरक भंडार अधिकारी और बैरक भंडार अधिकारी) भर्ती नियम,
1979 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं,
अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेना इंजीनियर सेवा (उपेष्ट
बैरक भंडार अधिकारी और बैरक भंडार अधिकारी) (संशोधन) नियम,
1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सेना इंजीनियर सेवा (उपेष्ट बैरक भंडार अधिकारी और बैरक
भंडार अधिकारी) भर्ती नियम, 1979 की अनुसूची में बैरक भंडार
अधिकारी के पद से संबंधित मद के सामने स्तम्भ 12 के नीचे विद्यमान
प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“समूह ‘ख’ विभागीय प्रोन्नति समिति :—

- | | |
|---|---------|
| 1. अपर महानिदेशक इंजीनियर (कार्मिक),
प्रमुख इंजीनियर का कार्या | अध्यक्ष |
| 2. उपमहानिदेशक,
निर्माण (पी एंड सी)
प्रमुख इंजीनियर की कार्या | सदस्य |
| 3. अपर सचिव, (डी नियुक्तियां)
रक्षा मंत्रालय | सदस्य |

टिप्पण :— सोधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की पूर्ति में संबंधित
विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां संघ लोक सेवा आयोग
के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि संघ लोक सेवा आयोग
इनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की
बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की
अध्यक्षता में फिर से होगी।”

[फाईल सं. 85604/13/सो एम ओ/सी एम सी सं.]

एच.सी. जुनेजा अवर सचिव

पाठ टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र भाग-2 खण्ड 4, तारीख
17 फरवरी, 1979 के पृष्ठ 53 और 54 पर सरकारी अधि-
सूचना रक्षा मंत्रालय सं. का नि. आ. 46, तारीख 6
फरवरी, 1979 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात्
निम्नलिखित द्वारा उनका संशोधन किया गया :—

- (1) भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 4 के पृष्ठ 342 और
343 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. का. नि.
आ. 256 तारीख 12 मिनस्वर, 1979;
- (2) भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 4 के पृष्ठ 251 पर
प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. का. नि. आ.
147 तारीख 9 जुलाई, 1984।

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 4th July, 1985

S.R.O. 167.—In exercise of the powers conferred by the
proviso to article 309 of Constitution, the President hereby
makes the following rules further to amend the Military
Engineer Service (Senior Barrack Stores Officer and Barrack
Stores Officer) Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called the Military Engineer Service (Senior Barrack Stores Officer and Barrack Stores Officer) (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Military Engineer Service (Senior Barrack Stores Officer and Barrack Stores Officer) Recruitment Rules, 1979, against the item relating to the post of Barrack Stores Officer, under column 12, for the existing entry the following entry shall be substituted, namely :—

“Group ‘B’ Departmental Promotion Committee :—

1. Additional Director General Engineers (Personnel) —Chairman

2. Deputy Director General of Works (P&C)—Member

3. Under Secretary (D Appointments)

Ministry of Defence —Member

NOTE : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of direct recruits

shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If however these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.”

[File No. 85604/13/BSO/CSCC]
M. C. JUNEJA, Under Secy.

FOOT NOTE : The principal rules were published in the Gazette of India Part II, Section IV dated 17th February, 1979 at page 53 and 54 vide Government notification, Ministry of Defence, No. GSR 46 dated 6th February, 1979 and subsequently amended by :—

(i) Government notification No. G.S.R. 256, dated 12th Sept. 1979, published in the Gazette of India Part II, Section 4 at page 342 & 343;

(ii) Government notification No. S.R.O. 147, dated 9th July, 1984, published in the Gazette of India, Part II, Section 4 at page 251.

नई दिल्ली, 11 जूलाई 1985

का. नि. आ. 168 :— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नट रक्षक संगठन में हिन्दी अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नट रक्षक संगठन (हिन्दी अधिकारी) भर्ती नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :— उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अन्य अर्हताएं, आदि :— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13, में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता :— वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :— जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाधत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :— इन नियमों की कोई भी बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य गियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा हम संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्गों का फायदा केन्द्रीय गविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
हिन्दी अधिकारी	1* (1984) * कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" राजपत्रित, अनुसूचितीय	650-30-740-35- 810 द. र. 35-880- 40-1000-द. र. 40- 1200 रु	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)	नहीं

सौधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सौधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि, यदि कोई हो
बिहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत
व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

8

9

10

आवश्यक (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर एक विषय के रूप में अंग्रेजी के साथ हिन्दी में मास्टर की डिग्री या समतुल्य, या

लागू नहीं होता

सौधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए
या वर्ष

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर एक विषय के रूप में हिन्दी के साथ अंग्रेजी में मास्टर डिग्री या समतुल्य; या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर विषयों के रूप में अंग्रेजी और हिन्दी के साथ किसी विषय में मास्टर की डिग्री या समतुल्य, या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर एक विषय के रूप में अंग्रेजी के साथ हिन्दी माध्यम से किसी विषय में मास्टर की डिग्री या समतुल्य; या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर एक विषय के रूप में हिन्दी के साथ अंग्रेजी माध्यम से किसी विषय में मास्टर की डिग्री या समतुल्य; और

(2) हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली विषयक कार्य का और/या अंग्रेजी में हिन्दी या हिन्दी में अंग्रेजी में, अधिमानतः तकनीकी या वैज्ञानिक साहित्य के, अनुवाद का पाँच वर्ष का अनुभव या हिन्दी में अध्यापन, अनुसंधान लेखन या प्रकाशित का 5 वर्ष का अनुभव।

टिप्पण 1 :—अर्हताएं अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में सघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण 2 :—अनुभव संबंधी अर्हता (आर्हताएं) सघ लोक सेवा आयोग/मंत्रालय प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती हैं (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर सघ लोक सेवा आयोग/मंत्रालय प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों की भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।

वर्तमान (1) संस्कृत और/या प्राथमिक भारतीय भाषा का ज्ञान।

(ii) प्रणामनिक अनुभव।

(iii) टिप्पण और प्ररूपण सम्बन्धी हिन्दी कक्षाएं या कर्मशाखाएँ आयोजित करने का अनुभव।

भर्ती का पद्धति : भर्ती सौधे द्वारा या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा नया त्रिभुज पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रति-शतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणी जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर सौधे भर्ती द्वारा।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण द्वारा केन्द्रिय मंत्रालय के अधीनस्थ ऐसे अधिकारी:—

(क) (i) जो सद्ग पद धारण किए हुए हैं; या

(ii) जिन्होंने 500-800/900 रु. के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर तीन वर्ष की सेवा की है, या

(iii) जिन्होंने 125-700 रु. के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 8 वर्ष सेवा की है; और

(ख) जिनके पास स्तर 8 में सौधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए कथित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं।

(प्रतिनियुक्ति का अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/विभाग में हम नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में कितन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

(पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी :—

संबंधित और किसी अधिकारी का स्थानान्तर पर नियुक्ति के लिए चयन करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

1. संयुक्त सचिव, रक्षा मंत्रालय—अध्यक्ष
2. उप सचिव, (नौसेना), रक्षा मंत्रालय—सदस्य
3. निदेशक (कामिक), तट रक्षक मुख्यालय—सदस्य
4. निदेशक (प्रशासन), तट रक्षक मुख्यालय—सदस्य

टिप्पण :—पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहिया आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य का अध्यक्षता में फिर से होगी।

[फाईल सं. सी.पी./0406]

एन. सी. एम. नेमी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th July, 1985

S.R.O. 168.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Hindi Officer in the Coast Guard Organisation, namely :—

1. Short title and commencement :—These rules may be called the Coast Guard Organisation (Hindi Officer) Recruitment Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and the scale of pay :—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc. :—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns (5) to (13) of the said Schedule.

4. Disqualification :—No person, —

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of the age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	Number of post	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Hindi Officer	1* (1984)	General Central Service	Rs. 650-30-740- 35-310-EB-35- 880-40-1000- EB-40-1200	Not applicable.	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	No
	*Subject to Group B' variation Gazetted, depend- ing on work-load.					

Educational and other qualifications required for direct recruits.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.

(8)

(9)

ESSENTIAL

- (i) Master's degree of a recognised university or equivalent in Hindi with English Not applicable.
as a subject at the degree level;

OR

Master's degree of a recognised university or equivalent in English with Hindi
as a subject at the degree level;

OR

Master's degree of a recognised university or equivalent in any subject with Hindi
and English as subjects at the degree level;

OR

Master's degree of a recognised university or equivalent in any subject with Hindi
Medium and English as a subject at the degree level.

OR

Master's degree of a recognised university or equivalent in any subject with Eng-
lish medium and Hindi as a subject at the degree level; and

- (ii) 5 years' experience of terminological work in Hindi and/or translation work from
English to Hindi or *vice-versa*, preferably of technical or scientific literature.

OR

5 years' experience of teaching, research writing or journalism in Hindi.

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service
Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the
Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to
Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union
Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates
from these communities possessing the requisite experience are not likely to
be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable

- (i) Knowledge of Sanskrit and/or a modern Indian Language.
(ii) Administrative experience.
(iii) Experience of organising Hindi classes or workshops for noting and drafting.

Period of probation if any.	Method of recruit- ment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/trans- fer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/trans- fer, grades from which pro- motion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
(10)	(11)	(12)	(13)	(14)
2 years for direct recruits	By transfer on depu- tation/transfer failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation/ transfer Officers under the Central Government; (a) (i) holding analogous posts; or (ii) with 3 years' service in post in the scale of	Group 'B' Departmental Promotion Committee for considering confirmation) 1. Joint Secretary, Ministry of Defence — Chairman 2. Deputy Secretary (Navy), Ministry of Defence.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and select- ing an officer for appoin- ment on transfer.

12

13

- Rs. 550-800/900 or equivalent; or
(iii) with 8 years service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent and
(b) possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits under Column 8. (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall ordinarily not exceed 3 years).

- Member
3. Director (Personnel),
Coast Guard Headquarters.
— Member
4. Director (Administration),
Coast Guard Headquarters
— Member

Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1985

[F. No. CP/0406]
N. C. S. NEGI, Desk Officer

New Delhi, the 2nd July, 1985

का. नि. आ. 169:- राष्ट्रपति सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय कैडेट कोर (सिविलियन ग्लाइडिंग अनुदेशक) भरती नियम, 1983 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय कैडेट कोर (सिविलियन ग्लाइडिंग अनुदेशक) भरती (संशोधन) नियम, 1985 है

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय कैडेट कोर (सिविलियन ग्लाइडिंग अनुदेशक) भरती नियम, 1983 की अनुसूची में, स्तम्भ 1 और 13 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जायेंगी, अर्थात्:—

(1) स्तम्भ 1 सिविलियन ग्लाइडिंग अनुदेशक।

टिप्पण: ये पद नियमित वायुसेना अधिकारियों के बदले में हैं।

(2) स्तम्भ 13: (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी:—

(1) महानिदेशक, राष्ट्रीय कैडेट कोर—अध्यक्ष

(2) उप महानिदेशक, राष्ट्रीय कैडेट कोर—सदस्य

(3) निदेशक (कामिक), महानिदेशालय, राष्ट्रीय कैडेट कोर—सदस्य

टिप्पण: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ, आयोग के अनुमोदन-रथ भेजी जायेंगी किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करना है तो विभागीय प्रोन्नति समिति को बैठक संबंध लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होंगी।

टिप्पण: मूल नियम, भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय का नि. आ. 157

तारीख 3 मई, 1983 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

[फा. सं. 10305/डी जी एन सी सी/कामिक (सी)]

एम . सी. जुनेजा, अव्वर सचिव

S.R.O. 169.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National Cadet Corps (Civilian Gliding Instructors) Recruitment Rules, 1983, namely:—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the National Cadet Corps (Civilian Gliding Instructors) Recruitment (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the National Cadet Corps (Civilian Gliding Instructors) Recruitment Rules, 1983, in columns 1 and 13, for the existing entries, the following entries shall be substituted, namely:—

(1) Column 1: Civilian Gliding Instructor. Note.—These posts are in lieu of regular Air Force Officers.

(2) Column 13: Group 'B' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation) consisting of:—

(i) Director General, National Cadet Corps
—Chairman

(ii) Deputy Director General, National Cadet Corps
—Member

(iii) Director (Personnel), Director General
National Cadet Corps
—Member

NOTE: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or Member of the Union Public Service Commission shall be held.

Note:—The principal rules were published vide Government of India, Ministry of Defence SRO 157 dated 3rd May, 1983.

[F. No. 10305/DGNCC/PERS(C)]
M. C. JUNEJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1985

का. नि. आ. 170:— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1979 का आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा (संशोधन) नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1979 में:—

(1) नियम 8 में, उप-नियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित अंत स्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

“(1क) उप-नियम (1) के उपबंधों में किसी बात के होते हुए भी, वैज्ञानिक ‘ख’ की श्रेणी में अधिक से अधिक 200 एवं अनुसूची IV में अधिकतम अध्येतावृत्ति स्कीम के अधीन उनका प्रशिक्षण सफलता पूर्वक समाप्त होते पर ‘अध्येताओं’ की नियुक्ति करके भरे जा सकेंगे।

(2) नियम 9 में, उप-नियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“9(1) सेवा की वैज्ञानिक ‘ख’ की श्रेणी में सीधी भर्ती द्वारा या प्रोत्सर्ग द्वारा या अधिवर्षता की आयु से पूर्व पुनर्नियोजन द्वारा भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परीक्षा पर रहेंगे सेवा की किसी अन्य श्रेणी में नियुक्त किए गए व्यक्ति, अर्थात् वैज्ञानिक ‘ग’ वैज्ञानिक ‘घ’ वैज्ञानिक ‘ङ’ वैज्ञानिक ‘च’ और वैज्ञानिक ‘छ’ जो सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति किए गए हों या अधिवर्षता की आयु से पूर्व पुनर्नियोजन द्वारा भर्ती किए गए व्यक्ति एक वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेंगे।

परन्तु महानिदेशक, परीक्षा की अवधि को, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार, बढ़ा या घटा सकता है।

परन्तु यह और किए ऐसे मामलों में जहाँ परीक्षा को बढ़ाने की प्रस्थापना हो वहाँ महानिदेशक ऐसा करने के अपने आशय की लिखित सूचना अधिकारी को, परीक्षा की प्रारम्भिक या बड़ाई गई अवधि की समाप्ति के पश्चात् बारह महीने के भीतर देगा।”

(3) अनुसूची 3 के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची अंत स्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

टिप्पण— रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 4 में का. नि. आ. 8, तारीख 30 दिसम्बर, 1978, द्वारा प्रकाशित किए गए थे और नियम का. नि. आ. 307, तारीख 10 अक्टूबर, 1980, का. नि. आ. 196, तारीख 2 अगस्त, 1982, का. नि. आ. 159, तारीख 6 मई, 1983, का. नि. आ. 176, तारीख 7 अगस्त, 1984, का. नि. आ. 228, तारीख 13 नवम्बर, 1984 द्वारा संशोधन किए गए हैं।

“अनुसूची 3

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की अध्येतावृत्ति स्कीम के अधीन अध्येताओं की नियुक्ति के निबंधन और शर्तें, निम्नलिखित होंगे:—

(1) ‘अध्येताओं’ का चयन अखिल भारतीय आधार पर गणनात्मक क्रम से मासाक्षर के माध्यम से ऐसे अभ्यर्थियों से से किया जाएगा जिनके पास वैज्ञानिक ‘ख’ के पदों पर सीधी भर्ती के लिए, भौतिक, रसायनिक, यांत्रिक इंजीनियरी, नौविमानकी और कंप्यूटर विज्ञान में या किसी ऐसे विषय में जो महानिदेशक

अनुसंधान और विकास द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, शैक्षिक अर्हताएं तथा आयु हैं। ऐसे अभ्यर्थी भी जो अनुसूची 3 में विहित शैक्षिक अर्हताएं अर्जित करने के लिए अंतिम परीक्षा में बैठ रहे हैं, चयन के लिए अंतिम तौर पर, इस शर्त के अधीन रहते हुए, विचार में लिए जा सकते हैं कि उनका अंतिम चयन उनके द्वारा विहित अर्हता अर्जित कर लेने पर हो किया जाएगा।

(2) प्रशिक्षण की सामान्य अवधि एक वर्ष होगी। प्रशिक्षण के दौरान ‘अध्येताओं’ को 12000 (द्वेचत्वारिंश सौ रुपए) प्रति मास की समेकित वृत्ति या कोई अन्य रकम जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिधारित की जाए, दी जाएगी और वे किसी अन्य भत्ते के हकदार नहीं होंगे। प्रशिक्षण की अवधि के दौरान उन्हें छात्रावास सुविधा प्रदान की जाएगी जहाँ ऐसा सुविधा प्रदान नहीं की जाती है वहाँ वे सरकार की विद्यमान दरों पर अध्येतावृत्ति की रकम पर सकल भाड़ा/भत्ता लेने के हकदार होंगे।

(3) ‘अध्येताओं’ से उनके प्रशिक्षण की समाप्ति पर कम से कम तीन वर्ष की अवधि तक रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में सेवा करने के लिए एक बंधपत्र निष्पादित करने की अपेक्षा की जाएगी यदि वे इसमें अग्रफल रहते हैं तो उनसे प्रशिक्षण का लाभ, जो सरकार द्वारा अधिधारित किया जाए, देने की अपेक्षा की जाएगी।

(4) प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर ‘अध्येताओं’ को नियुक्ति रक्षा अनुसंधान विकास सेवा में, नियम 8(1क) में अतिरिक्त उपबंधों के अनुसार, वैज्ञानिक ‘ख’ के रूप में करने पर विचार किया जा सकता है।

(5) ऐसे नियुक्तियाँ भी प्रयोजनों के लिए सीधी भर्ती समझी जाएगी। ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए ‘अध्येता वृत्ति स्कीम’ के माध्यम से वैज्ञानिक ‘ख’ नियुक्ति किए गए व्यक्ति सामूहिक रूप से वैज्ञानिक ‘ख’ के रूप में नियुक्त, नियम 6 में विहित किसी अन्य पद्धति द्वारा चयन किए गए व्यक्तियों से, जिनमें वे भी हैं जिनका वैज्ञानिक ‘अ’ के रूप में चयन ‘अध्येताओं’ की वैज्ञानिक ‘ख’ के रूप में नियुक्ति की तारीख से पूर्वतर सीधे हो कर किया जाता है, कनिष्ठ होंगे अध्येताओं की पारस्परिक ज्येष्ठता उनके गणानुक्रम क्रम से नियम की जाएगी।

(6) प्रशिक्षण की अवधि के दौरान ‘अध्येताओं’ को किसी भी समय बिना किसी सूचना के, और बिना कोई कारण समनुद्दिष्ट किए, प्रशिक्षण से निर्मासित किया जा सकता है।

(7) ‘अध्येताओं’ से प्रशिक्षण के दौरान ऐसे सभी परीक्षण/परीक्षाएं उत्तीर्ण करने की अपेक्षा की जाएगी जो विधान द्वारा विहित की जाएं जो व्यक्ति ऐसे परीक्षण/परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में अग्रसर रहेंगे और प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूर्ण नहीं करेंगे, उन्हें सेवा की वैज्ञानिक ‘ख’ की श्रेणी में नियुक्ति के लिए विचार में नहीं लिया जाएगा।”

[सं० पी० सी० 10331/डी आर डी एम/आर डी/एस-1/3642/

डी (आर एंड डी)]

एस. एन. सख्ना, अवर सचिव

New Delhi, the 12th July, 1985

S.R.O. 170.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Defence Research and Development Service Rules, 1979, namely:—

1. (1) These rules may be called the Defence Research and Development Service (Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Gazette of India.

2. In the Defence Research and Development Service Rules, 1979, —

- (1) in rule 8, after sub rule (1), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(1A) Notwithstanding the provisions of sub-rule (1), not more than 200 posts in the grade of Scientist ‘B’ may be filled by appointment of ‘Fellows’ on their successful completion of training under the “Fellowship Scheme” as laid down in Schedule IV”;

- (2) in rule 9, for sub-rule (1), the following shall be substituted, namely :—

“(1) Persons appointed to the grade of Scientist ‘B’ of the service either by direct recruitment or by promotion or by re-employment before the age of superannuation, shall be on probation for a period of two years. Persons appointed to any other grade of the service viz. Scientist ‘C’, Scientist ‘D’, Scientist ‘E’, Scientist ‘F’ and Scientist ‘G’, either by direct recruitment or by re-employment before the age of superannuation, shall be placed on probation for a period of one year :

Provided that the Director General may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by the Central Government from time to time :

Provided further that in cases where it is proposed to extend the period of probation, the Director General shall give notice in writing of his intention to do so, to the officer within twelve weeks after expiry of the initial or extended period of probation.”

- (3) after Schedule (III), the following Schedule shall be inserted, namely :—

M. L. SALHOTRA, Under Secy.

Note :—The Defence Research and Development Service Rules published in the Gazette of India Part II, Section 4, vide SRO 8 dated the 30th December, 1978, have been amended vide SRO 307 dated the 10th October, 1980, SRO 196 dated the 2nd August, 1982, SRO 159 dated the 6th May, 1983, SRO 176 dated the 7th August, 1984 and SRO 228 dated the 13th November, 1984.

“SCHEDULE IV

The terms and conditions of appointment of Fellows under the Fellowship Scheme of Defence Research and Development Organisation shall be as follows :—

- (i) ‘Fellows’ shall be selected on all India basis through an interview in the order of merit, from amongst the candidates possessing the educational qualifica-

tions and age prescribed in Schedule III for direct recruitment for the posts of Scientist ‘B’ in the disciplines of Physics, Electronics, Mechanical Engineering, Aeronautics and Computer Science or in any other disciplines as may be specified by the Director General Research and Development. Candidates appearing for the final examination for acquiring the educational qualifications prescribed in Schedule III may also be considered for selection provisionally subject to the condition that their final selection, shall be subject to their acquiring the prescribed qualifications.

- (ii) The normal period of training will be one year. During the training, the ‘Fellows’ will be paid a consolidated stipend of Rs. 1200 (Rupees twelve hundred only) per month or any other amount as determined by the Government from time to time and they shall not be entitled to any other allowance. They shall be provided with Hostel accommodation during the period of training. Where such accommodation is not provided, they shall be entitled to draw House Rent Allowance only at the Government prevailing rates on the amount of Fellowship.
- (iii) The ‘Fellows’ shall be required to execute a bond to serve in the Defence Research and Development Organisation on completion of their training for at least a period of three years, failing which they shall be required to pay for the cost of training as may be determined by the Government.
- (iv) On successful completion of training, the ‘Fellows’ may be considered for appointment as Scientist ‘B’ in Defence Research and Development Service as per the provisions contained in rule 8(1A).
- (v) Such appointments shall be treated as direct recruitment for all purposes. For the purpose of seniority, Scientist ‘B’ appointed through the “Fellowship Scheme” shall rank en bloc junior to all those selected for appointment as Scientist ‘B’ through any other method prescribed in rule 6, including those who are selected for appointment directly as Scientist ‘B’ earlier than the date of appointment of ‘Fellow’ as Scientist ‘B’. The seniority of ‘Fellows’ among themselves shall be fixed in the order of their merit.
- (vi) During the period of training, the ‘Fellows’ may be discharged from training at any time without notice and without assigning any reason.
- (vii) During the training the ‘Fellows’ are required to pass all the tests/examinations which may be prescribed by the department. Those who are not able to pass such tests/examinations and do not successfully complete the training, shall not be considered for appointment to the grade of Scientist ‘B’ of the service.”

[F. No. PC 10331/DRDS/RD/Pers-1/3642/D(R&D)]
M. L. SALHOTRA, Under Secy